"उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन"

संदीप कुमार
शोधार्थी
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

सारांश

पारिवारिक वातावरण एक विद्यार्थी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उनकी प्रेरणा का स्रोत बनता है, जिसका शिक्षा पर गहरा प्रभाव होता है। यह शिक्षा मनोबल, मूल्यों, संवाद कौशल, सामाजिक संबंधों, और सामान्य जीवन कौशल में प्रभाव डालता है। मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में विभिन्न कारगर परंपराएँ और अद्यतन हो सकती हैं, लेकिन कुछ सामान्य पारिवारिक और सांस्कृतिक पहचान के प्रति समर्थन और आदर्शों का पालन आम देखा जा सकता है। मुस्लिम परिवारों में इस्लामी आदतें और अनुष्ठानों का महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके घर में नमाज, रोजा, ईद, जुम्मा और अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन आम होते हैं। मुस्लिम परिवारों में परिवार के सभी सदस्यों के बीच संबंधों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। परिवार के सभी विद्यार्थियों के लिए आदर्श योग्यताएँ और नैतिक मूल्य सिखाए जाते हैं। मुस्लिम परिवारों में शिक्षा को महत्वपूर्ण माना जाता है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और उन्हें अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समर्थित किया जाता है। मुस्लिम परिवारों में सामाजिक समृद्धि और सहानुभूति की भावना होती है, जो दान–दारी और योगदान के माध्यम से व्यक्तिगत और समाजिक उत्थान को प्रोत्साहित करती है। मुस्लिम परिवारों में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन उर्दू और अरबी विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती हैं। इसके साथ ही, इस्लामी संस्कृति और तरीके भी पारिवारिक वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। परिवारों में वित्तीय योजना, बचत और निवेश के मामले में विशेष ध्यान दिया जाता है। मुस्लिम विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन में धर्मिक मान्यताओं का पालन करना सिखाया जा सकता है। यह विभिन्न पारिवारिक दिशाएँ हैं जो मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में विद्यमान हो सकती हैं, लेकिन ये सिर्फ आम दिशाएँ हैं और परिवार से परिवार तक भिन्नता हो सकता है। शोध अध्ययन के निष्कर्ष – उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्राओं की पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया।

मुख्य शब्द :– उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थी, पारिवारिक वातावरण

• प्रस्तावना

पारिवारिक वातावरण एक विद्यार्थी को अच्छे मूल्यों और नैतिकता की मूल ज्ञान प्रदान करता है। बच्चों को यहाँ सिखाया जाता है कि कैसे दूसरों का सम्मान करना, ईमानदारी से काम करना, और सहायता करना एक उच्च मूल्य है। परिवार विद्या के महत्व को प्रमोट करता है और बच्चों को शिक्षा के प्रति उत्साहित करता है। यह उन्हें सीखने की भावना देता है और उनकी शिक्षा में सहायक होता है। पारिवारिक वातावरण में बच्चे सोशल स्किल्स सीखते हैं, जैसे कि सहयोग, संवाद कौशल, और सामाजिकता। यह उन्हें सामाजिक मानव संबंधों की समझ प्रदान करता है और उन्हें समाज में अच्छे संबंध बनाने में मदद करता है। पारिवारिक वातावरण शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने में मदद करता है। यह थ्वद्यार्थी के आत्मसमर्पण, स्वाभाविकता, और आत्ममहत्व को बढ़ावा देता है। पारिवारिक वातावरण विशेष कौशलों के प्रवर्धन को भी प्रोत्साहित करता है, जैसे कि कला, संगीत, खेल आदि। यह बच्चों की रूचियों और प्रतिबद्धता को समझता है और उन्हें उनके रूचियों के प्रति समर्पित होने का अवसर देता है। एक सहयोगी और समर्थ पारिवारिक वातावरण में बच्चों को स्वतंत्रता और स्वाधीनता की महत्वपूर्णता समझाई जाती है। यह उन्हें अपने विचारों और मान्यताओं की समझ विकसित करने में मदद करता है। जिस बालक का पारिवारिक वातावरण दूषित होता है, अधिकांशतः उन परिवारों के बालक अपराध की ओर उन्मुख हो जाते हैं। किशोरावस्था को तूफान व तमाम उतार चढ़ाव की आयु माना जाता है। इस समय विद्यार्थियों को समाज और परिवार में समायोजन करना बहुत कठिन हो जाता है। कुछ अशिक्षित मुस्लिम परिवार विद्यार्थियों के विकास को समझने में असमर्थ रहते हैं और उचित मार्गदर्शन न मिलने से मुस्लिम छात्राऐं परिवार व समाज में समायोजन नहीं कर पाती हैं जिससे उनको कुंठा व तनाव जैसी मनोदैहिक बीमारियां जकड़ लेती है जिनका प्रभाव बालक के अध्ययन पर पड़ता है। जब मुस्लिम छात्राओं को समायोजन मे कठिनाई होती है तो उनकी रूचि पर भी प्रभाव पड़ता है अगर एक छात्रा की रूचि इंजीनियर बनने की है और उसको पर्याप्त सुविधायें व उचित पारिवारिक वातावरण नहीं मिलता है। ऐसा माना जाता है कि मुस्लिम विद्यार्थियों को दूषित वातावरण मिलने के कारण उन पर प्रभाव पड़ता है स्वच्छ वातावरण मिलने पर बालक क्रियाशील तथा सृजनात्मक होती हैं। स्वस्थ पारिवारिक वातावरण में मुस्लिम विद्यार्थियों का उचित विकास होता है। परिवार के नियम, कानून, मान्यतायें और समय–समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। शिक्षित मुस्लिम परिवार अपने उचित मार्गदर्शन से छात्राओं का सर्वांगीण विकास करतें है और उसको अपने निर्णयों में भी भूमिका प्रदान करने का अवसर प्रदान करतें है तथा मुस्लिम छात्राओं को परिवार में अपनी बात रखने की पूर्ण स्वतन्त्रता होती है, जिससे मुस्लिम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और परिवार में भी उसका पग–पग पर प्रोत्साहन मिलता है। परिवार का शैक्षिक वातावरण भी इस प्रोत्साहन में अहम् भूमिका निभाता है जिससे मुस्लिम विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुस्लिम परिवार शिक्षित होने के कारण छात्राओं को उचित वातावरण प्रदान करने में समर्थ रहते हैं यह वातावरण मुस्लिम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है जिससे मुस्लिम छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है जबकि गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण को भी प्रभावित करता है। गैर

मुस्लिम विद्यार्थियों में जैन विद्यार्थी, सिख विद्यार्थी, हिन्दू विद्यार्थी आदि सभी आते है। कुछ गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के परिवार का वातावरण बहुत स्वच्छ व शान्त माना जाता है जिस कारण गैर मुस्लिम विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक क्षेत्र का अच्छा प्रदर्शन किया जाता रहा है। अधिकांश जैन समाज के युवक उच्च पदो पर विराजमान पाये जाते है व बहुत बड़े व्यवसायी पाये जाते है जबकि ईसाई समाज में भी वचपन से भावुक अपने पैंरो पर खड़ा होना सीख जाते है। गैर मुस्लिमों जितने भी समाज के विद्यार्थियों को शामिल किया जाये उनमे अधिकांश विद्यार्थियों का परिवारिक वातावरण अच्छा ही पाया जाता है।

• अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

भारत वर्ष में आज भी पूरा समाज कई वर्गों तथा समुदायों में विभाजित है। जिससे एक मुस्लिम समाज दूसरा गैर मुस्लिम समाज है। मुस्लिम समाज से आशय इस्लाम धर्म को मानने वाले व्यक्तियों से है। जबकि गैर मुस्लिम में वो सभी धर्मों के लोग आते हैं जो मुस्लिम समाज से सम्बन्धित नहीं हैं। वर्तमान समय में न केवल ग्रामीण परिवेश अशिक्षा वरन धर्म भी उनकी उन्नित में अनेक रूप से बाधा उत्पन्न करते हैं। प्रायः विद्यालयों में सभी धर्मों के बालक अध्ययन करते हैं। मुस्लिम समुदाय का पारिवारिक वातावरण धार्मिक कट्टरता एवं अशिक्षा के कारण बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। जिस कारण उनका स्तर गैर मुस्लिम समुदाय के बालकों से भिन्न रहता है। मुस्लिम परिवारों का पारिवारिक वातावरण अधिक अच्छा नहीं माना जाता है। यही दृश्य गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के साथ होता है। परिवार का वातावरण एक विद्यार्थी के लिए पहला मार्ग होता है और यह मार्ग जीवन की दिशा को गति प्रदान करता है। विद्यार्थियों की अच्छी बुद्धि लब्धि होने के बाबजूद कभी–कभी विद्यार्थी शैक्षिक पिछड़ेपन के शिकार हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण, परिवार के नियम, कानून तथा संस्कार हैं। मुस्लिम और गैर मुस्लिम समुदाय के विद्यार्थी इससे अछूते नहीं हैं। कभी–कभी विद्यालय का स्वच्छ वातावरण विद्यार्थियों पर अपना सकारात्मक प्रभाव नहीं छोड़ पाता है, क्योंकि विद्यार्थियों के परिवार का वातावरण उनके विकास में बाधा पहुँचाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के माध्यम से मुरादाबाद मण्डल में अध्ययनरत मुस्लिम और गैर मुस्लिम परिवारों से सम्बन्धित विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन को जानने का प्रयास किया जायेगा।

• सम्बन्धित साहित्य का महत्व

सम्बन्धित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अध्ययन हुए हैं जिसमें से कुछ इस प्रकार है– अग्रवाल, डॉ. निधी एवं सत्तार, डॉ. अब्दुल एवं जैन, श्रीमती मनीषा (2020), शर्मा एवं खातून (2020), तिवारी, राधेश्याम (2021), कक्कड़, डॉ सोनिया एवं तिवारी, शालिनी (2021), शर्मा, गोपेश कुमार एवं गुप्ता, डॉ0 सविता (2022) आदि के द्वारा अध्ययन किये गये हैं।

• समस्या कथन

"उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन'

• चरों का परिभाषिकरण

- **उच्चतर माध्यमिक विद्यालय** – उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को हिंदी में हायर सेकेंडरी स्कूल कहा जाता है। यह विद्यालय उच्चतर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए होता है और आमतौर पर विद्यार्थियों की आयु 14 से 18 वर्ष के बीच होती है, जो कि 9वीं और 10वीं कक्षा के पास करने के बाद उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए आते हैं। इन विद्यालयों में विभिन्न विषयों में अध्ययन करने का मौका मिलता है, जो छात्रों की अध्ययन और करियर के विभिन्न पहलुओं को बढ़ावा देता है।
- **मुस्लिम विद्यार्थी** – मुस्लिम विद्यार्थियों से तात्पर्य इस्लाम धर्म को मानने वाले विद्यार्थियों से है।
- **गैर मुस्लिम विद्यार्थी** – गैर मुस्लिम विद्यार्थियों से तात्पर्य इस्लाम धर्म को न मानने वाले विद्यार्थियों से है। जिसमें सिख विद्यार्थी, जैन विद्यार्थी, बौद्ध विद्यार्थी, सनातन धर्म के विद्यार्थियों से है।
- **पारिवारिक वातावरण** – पारिवारिक वातावरण का अर्थ बालक के उस वातावरण से है जो उसे परिवार से मिलता है। अगर परिवार की बात करें तो "घर या परिवार मानवीय समाज की एक सर्वाधिक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है"। घर या परिवार व्यक्ति के जीवन से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है। क्योंकि बालक का वृद्धावस्था तक विकास गृहवातावरण के अन्तर्गत ही होता है। गृहवातावरण एक बालक तथा उसके व्यवहार को प्रारम्भ से ही नियंत्रित करने, स्नेह व अनुशासन प्रदान करने में अहम् भूमिका निभाता है। **क्लेमर** – "परिवार या घर से हम सम्बन्धों की वह व्यवस्था समझते हैं जो माता–पिता तथा उनकी संतानों की बीच पाई जाती है "। धार्मिक गृहवातावरण, बालक में धार्मिक भावना का समावेष करता है। जिस प्रकार का घर का वातावरण होता है उसी प्रकार बालक का विकास भी उसी दिशा में होता है ।

• अध्ययन के उद्देश्य

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्राओं की पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन।

• अध्ययन की परिकल्पनाऐं

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्राओं की पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं है।

• आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए उच्च माध्यमिक स्तर विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

• न्यादर्श

वर्तमान शोधपत्र हेतु 120 मुस्लिम विद्यार्थी एवं 180 गैर मुस्लिम विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

• उपकरण

- पारिवारिक वातावरण मापनी – डॉ॰ करूणा शंकर मिश्र द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

• परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका संख्या – 1

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
मुस्लिम	60	205.12	40.764	2.3597	0.05 = 1.96 0.01 = 2.59
गैर मुस्लिम	90	229.23	36.731		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात के विश्लेषण को दर्शाया गया है। तालिका से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान एव मानक विचलन क्रमशः 205.12 एवं 40.764 पाया गया जबकि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 229.23 एवं 36.731 पाया गया। दोनो समूहों के क्रान्तिक अनुपात का मूल्य 2.3597 पाया गया जो कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्रों के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः व्याख्या के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि दोनों समूहों के मध्य पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

तालिका संख्या – 2
माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्राएं	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
मुस्लिम	60	212.83	40.870	1.3903	0.05 = 1.96 0.01 = 2.59
गैर मुस्लिम	90	228.51	35.597		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात के विश्लेषण को दर्शाया गया है। तालिका से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान एव मानक विचलन क्रमशः 212.83 एवं 40.870 पाया गया जबकि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् गैर मुस्लिम छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 228.51 एवं 35.597 पाया गया। दोनो समूहों के क्रान्तिक अनुपात का मूल्य 1.3903 पाया गया जो कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम छात्राओं के पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः व्याख्या के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि दोनों समूहों के मध्य पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

• शोध अध्ययन के निष्कर्ष

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्रों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् मुस्लिम एवं गैर मुस्लिम वर्ग के छात्राओं की पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया।

• सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अग्रवाल, डॉ. निधी एवं सत्तार, डॉ. अब्दुल एवं जैन, श्रीमती मनीषा (2020) : पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन,Int.J.Ad. Social Sciencess. 2020.
- कक्कड़, डॉ सोनिया एवं तिवारी, शालिनी (2021)[1] : उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का यौन शिक्षा जागरुकता स्तर पर प्रभाव का अध्ययन, Vol-6, Issue-03, 2021; ISSN No. : 2456-1355; National Journal of Research and Innovative Practices (NJRIP).
- तिवारी, राधेश्याम (2021)[1] : शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन, JETIR December 2021, Volume 8, Issue 12.

- शर्मा, गोपेश कुमार एवं गुप्ता, डॉ0 सविता (2022) : कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन, Volume 9, Issue 8, JETIR August 2022.
- शर्मा एवं खातून (2020) : उच्च प्राथमिक विद्यालयों की छात्राओं का पारिवारिक वातावरण एवं अनुशासन पर किये गये अध्ययन की समीक्षा, Universe Journal of Education & Humanities ISSN 2348-3067 43 Volume-7, No. 1 Feb.-2020, pp. Hin.43-46.